

B.A. 2nd Semester (Honours) Examination, 2022 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : CC-IV

(Self Management in the Gita)

Time : 3 hours

Full Marks : 60

The figures in the right hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु दशप्रश्नाः सुरगिरा देवनागरीलिपिमाश्रित्य समाधेयाः। प्रति विभागां न्यूनतया प्रश्नत्रयं स्वीकृत्य दशप्रश्नानाम् उत्तरं समाधीयताम्। 2×10=20
(निम्नलिखित प्रश्नগুলি থেকে দশটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে। প্রত্যেকটি বিভাগ থেকে অন্তত তিনটি করে প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে।)

ক বিভাগঃ

ক বিভাগ

- (a) 'জ্ঞানযোগঃ' ইতি শব্দস্য কোহর্থঃ?
'জ্ঞানযোগ' এই শব্দের অর্থ কি?
- (b) 'রহস্যং হ্যেতদুত্তমম্'—কিং তাবৎ উত্তমং রহস্যং কথং বা?
'রহস্যং হ্যেতদুত্তমম্'—উত্তম রহস্যটি কি এবং কেন এটি উত্তম?
- (c) 'মম বর্জানুবর্তন্তে মনুষ্যাঃ পার্থ সর্বশঃ'—মনুষ্যাঃ কথং কস্য বর্জ অনুবর্তন্তে?
'মম বর্জানুবর্তন্তে মনুষ্যাঃ পার্থ সর্বশঃ'—মানুষ কিভাবে কার পথ অনুসরণ করেন?
- (d) 'চাতুর্বর্ণ্যং ময়া সৃষ্টং গুণকর্মবিভাগশঃ'—কিং নাম চাতুর্বর্ণ্যম্? চাতুর্বর্ণ্যং কেন সৃষ্টম্?
'চাতুর্বর্ণ্যং ময়া সৃষ্টং গুণকর্মবিভাগশঃ'—চাতুর্বর্ণ্য কি? চাতুর্বর্ণ্য কার দ্বারা সৃষ্ট?
- (e) 'গহনা কর্মণো গতিঃ'—কর্মণো গতিঃ কথং গহনা ভবতি?
'গহনা কর্মণো গতিঃ'—কর্মের গতি গস্তীর কেন?

খ বিভাগঃ

খ বিভাগ

- (a) তামসিকাহারঃ কঃ ভবতি?
তামসিক আহার কি?
- (b) 'কশ্চ কামঃ? কামস্য স্বভাবঃ কর্ম চ কিং ভবতি?
কাম কি? কামের স্বভাব ও কর্ম কি?
- (c) 'যোগী যুক্তীত সততমাগ্নানম্'—যোগী কেন সহ কথং বা আগ্নানং যুক্তীত?

‘যোগী যুক্তীত সততমাত্মানম্’—যোগী কার সাথে आत्माके युक्त करबेन एवं किभावे?

(d) ‘सोपमा स्मृता’—का च उपमा कथं वा स्मृता?

‘सोपमा स्मृता’—उपमाटि कि? केनई वा ता स्मरण करते हवे?

(e) ब्रह्मचारिव्रतं किम्?

ब्रह्मचारिव्रतं कि?

(f) रजोगुणः कः भवति? तस्य प्रकृतिश्च कीदृशी भवति?

रजोगुण कि? तार प्रकृति कि?

(g) ध्यानयोगार्थं साधकस्य उपवेशनं कीदृशं भवेत्?

ध्यानयोगेण जन्य साधकेण उपवेशन कि रकम हवे?

(h) ‘योगो भवति दुःखहा’—योगः कथं वा दुःखहा भवति?

‘योगो भवति दुःखहा’—योग कथन ओ किभावे दुःखविनाशक हय?

(i) ‘स निश्चयेन योज्यते’—कः निश्चयेन योज्यते?

‘स निश्चयेन योज्यते’—कि निश्चयतार साथे योज्यते?

(j) योगसाधनायाम् आहारस्य भूमिका का भवति?

योगसाधनाय आहारेर भूमिका कि?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथाकामं चतुष्टयं समाधीयताम्। तेषु प्रश्नद्वयम् अवश्यमेव सुरगिरा समाधेयम्। 5×4=20
निम्नलिखित प्रश्नगुणोत्तर मध्ये ये कोनो चारटि प्रश्नेर उत्तर दाओ। तादेर मध्ये दुटि प्रश्नेर उत्तर अवश्यै संस्कृत
भाषाय लिखते हवे।

(a) सरलसंस्कृतेन सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या।

सरल संस्कृते प्रसङ्ग निर्देशपूर्वक व्याख्या करो।

ब्रह्मार्पणं ब्रह्महविर्ब्रह्माग्नेौ ब्रह्मणा हतम्।

ब्रह्मैव तेन गन्तव्यं ब्रह्मकर्मसमाधिना।।

Or

तद्विद्धि प्रणिपातेन परिप्रश्नेन सेवया।

उपदेक्ष्यस्ति ते ज्ञानं ज्ञानिनस्तुद्धर्षिणः।।

(b) सरलसंस्कृतेन सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या।

सरल संस्कृते प्रसङ्ग निर्देशपूर्वक व्याख्या करो।

काम एष क्रोध एष रजोगुणसमुद्भवः।

महाशनो महापाप्मा विद्ध्येनमिह वैरिणम्।।

[3]

Or,

यथा दीपो निवातश्चो नेप्सते सोपमा स्यूता ।

योगिनो यतचित्तस्य युञ्जतो योगमात्मनः ॥

- (c) मातृभाषया अनुवादः कार्यः
(मातृभाषाय अनुवाद करो) ।
श्रेयान् द्रव्यमयाद् यज्जाज् ज्ञानयज्जः परस्तप ।
सर्वं कर्माखिलं पार्थ ज्ञाने परिसमाप्यते ॥
- (d) मातृभाषया अनुवादः कार्यः
मातृभाषाय अनुवाद करो ।
तद्रेकाग्रं मनः कृत्वा यतचित्तेन्द्रियक्रियः ।
उपविश्यासने युञ्ज्यात् योगमात्मविशुद्धये ॥
- (e) योगिना कथं केनोपायेन वा योगाभ्यासः क्रियते आलोच्यताम्?
योगी केन एवं किंभावे योगाभ्यास करबेन आलोचना कर ।
- (f) को नाम स्वाध्यायज्ञानयज्जः? द्रव्यमयात् यज्जात् कथं ज्ञानयज्जः श्रेयान् भवति?
स्वाध्यायज्ञानयज्ज की? द्रव्यमय यज्ज अपेक्षा ज्ञानयज्ज श्रेष्ठ केन?

3. अधोलिखितेषु प्रश्नद्वयस्य उत्तरं दीयताम् ।

10×2=20

निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোনো দুইটি প্রশ্নের উত্তর দাও ।

- (a) आहारः कति? के च ते? योगसाधनायाम् आहारस्य तात्पर्यमालोच्यताम् ।
आहार कय प्रकार ओ की की? योगसाधनाय आहारेर तात्पर्य आलोचना कर ।
- (b) श्रीमद्भगवद्गीतामनुसृत्य ज्ञानयोगप्रशस्तिः वर्णयताम् ।
श्रीमद्भगवद्गीता अनुसारे ज्ञानयोगेर प्रशस्ति वर्णना कर ।
- (c) “विद्वानमिह वैरिणम्”—अत्र ‘एनम्’ इति पदेन कः उद्दिष्टः? कुतो वा अस्य उद्भवो भवति यथापाठ्यांशानुसारं तस्य स्वरूपम् आलोच्यताम् ।
“विद्वानमिह वैरिणम्”—एखाने ‘एनम्’ पदेर द्वारा कके बोखानो हयेछे? कोथा थेकेई वा एर उद्भव हयेछे पाठ्यांशेर अनुसरणे तार स्वरूप आलोचना करो ।
- (d) श्रीमद्भगवद्गीतामनुसृत्य साधकस्य ध्यानयोगफलं वर्णयताम् ॥
श्रीमद्भगवद्गीता अनुसारे साधकेर ध्यानयोगेर फल वर्णना कर ।